AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

लविवि को मिले 10 सेंटर फॉर एक्सीलेंस

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय को शासन की ओर से 10 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस मिले हैं। इसके तहत संबंधित शिक्षक अपने शोध प्रोजेक्ट पर काम करेंगे। इसके लिए उन्हें 36 लाख 59 हजार रुपये की ग्रांट स्वीकृत हुई है। इससे लविवि प्रशासन काफी उत्साहित है।

प्रदेश सरकार ने पिछले दिनों सभी राज्य विश्वविद्यालयों से सेंटर फॉर एक्सीलेंस योजना के तहत शोध प्रस्ताव मांगे गए थे। इस क्रम में लविवि के कई शिक्षकों ने अपने प्रस्ताव दिए गए थे, जिसमें से 10 के प्रोजेक्ट को हरी झंडी मिली है। शासन से जारी सूचना के अनुसार जंतु विज्ञान विभाग में चार, सांख्यिकी में दो, केमिस्ट्री में दो, बायो केमिस्ट्री और वनस्पति विज्ञान विभाग में एक-एक प्रोजेक्ट स्वीकृत हुए हैं। जिन शिक्षकों के प्रोजेक्ट स्वीकृत हुए हैं, उसमें प्रो. सुधीर मेहरोत्रा, डॉ. शैली मलिक, डॉ. अमित त्रिपाठी, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. अभिनव कुमार, डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह, डॉ. शांभवी मिश्रा, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. अलका कुमारी शामिल हैं। इन शिक्षकों को कुल 36 लाख 59 हजार रुपये की ग्रांट स्वीकृत हुई है। अपने शोध प्रोजेक्ट में शिक्षक रात के समय प्रकाश के चिड़िया पर पड़ने वाले प्रभाव व उसके व्यवहार में बदलाव, मछलियों में पाए जाने वाले परजीवी, पर्यावरण के कृषि पर प्रभाव, एनईपी के प्रभाव उच्च शिक्षा के परिदृश्य में आदि पर काम करेंगे। (माई सिटी रिपोर्टर)

लविवि : छात्रों के लिए शुरू होगी हेल्थ लैब

माई सिटी रिपोर्टर

बीपी, शुगर आदि की जांच करा सकेंगे छात्र, कला संकाय बोर्ड ने लगाई मुहर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में जल्द ही छात्रों के लिए हेल्थ लैब की शुरुआत होने जा रही है। यहां छात्रों के स्वास्थ्य का पूरा चेकअप हो सकेगा। साथ ही साइकिलिंग आदि की भी सुविधा दी जाएगी। इस प्रस्ताव पर कला संकाय बोर्ड की बैठक में मुहर लगी है। विद्या परिषद व कार्य परिषद की हरी झंडी के बाद इसे प्रभावी बनाया जाएगा।

विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में पहले से हैप्पी थिंकिंग लैब चल रही है। यहां छात्रों का मानसिक तनाव कम किया जाता है। अब यहां हेल्थ लैब शुरू होगी। इसमें छात्र शुगर, बीपी आदि की जांच करा सकेंगे। उनको स्वास्थ्य परामर्श भी दिया जाएगा। डीन कला संकाय प्रो. प्रेम सुमन शर्मा की अध्यक्षता में हुई फैकल्टी बोर्ड की बैठक में विभाग के इस प्रस्ताव को हरी झंडी दी गई।

वहीं सांख्यिकी विभाग में एमए-एमएससी इन एक्चुरियल स्टेटिस्टिक्स शुरू करने पर भी सहमति बनी। सबसे पहले यह कोर्स पुणे विश्वविद्यालय ने शुरू किया था। इसकी पढ़ाई करने वाले छात्रों को डेटा एनालिसिस आदि के क्षेत्र में विशेषज्ञता मिलेगी। इसी क्रम में फैकल्टी बोर्ड ने एमए समाजशास्त्र द्वितीय वर्ष में सोशियोलॉजी ऑफ जेंडर को एक पेपर के रूप में शामिल करने और कुछ डिप्लोमा कोर्स की फीस कम करने पर सैद्धांतिक सहमति दी।

लविवि में आज भी खुलेंगे कार्यालय

लखनऊ। लविवि में 21 से 23 जुलाई तक नैक की पियर टीम का भ्रमण प्रस्तावित है। इसे देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने शनिवार नौ जुलाई को भी सभी विभाग व प्रशासनिक कार्यालय खोलने का निर्णय लिया है। (माई सिटी रिपोर्टर)

मार्केट में लीडरशिप की दी जानकारी

लखनऊ। लविवि के व्यवसाय प्रशासन विभाग में शुक्रवार को लीडरशिप इन इंटरनेशनल मार्केट विषय पर व्याख्यान हुआ। इसमें रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी असम के कुलपति प्रो. संजय सिंह ने कहा कि इंटरनेशनल मार्केट में सफलता के लिए स्थानीय रीति-रिवाजों की जानकारी होना अनिवार्य है। कार्यक्रम को डॉ. हिमांशु मोहन, डॉ. अनु कोहली, डॉ. संजय मेधावी आदि ने भी संबोधित किया। (माई सिटी रिपोर्टर)

HIDUSTAN PAGE 6

राज्य सरकार ने दी मंजूरी, विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ समाज के लिए भी लाभदायक

एलयू को शोध के लिए 10 प्रोजेक्ट

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता। नैक टीम के आने से पहले लखनऊ विश्वविद्यालय की उपलब्धियों में और इजाफा हो गया है। एक्सीलेंस सेंटर के तहत विश्वविद्यालय के पांच विभागों के दस प्रोजेक्टों को सरकार ने मंजूरी दे दी है। इन प्रोजेक्ट पर काम शुरू होने से विश्वविद्यालय की पढ़ाई का स्तर और ऊंचा होगा। साथ ही शोध का लाभ समाज को भी मिलेगा।

राज्य सरकार ने साफ कहा है कि इन प्रोजेक्ट पर काम करने के लिए कोई नई नियुक्ति नहीं की जाएगी। इससे संबंधित कोई डिप्लोमा या प्रशिक्षण काम नहीं शुरू किया जा सकता है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के जन्तु विज्ञान विभाग को सबसे अधिक पांच प्रोजेक्ट को मंजूरी मिली है। इसके अलावा सांख्यिकी विभाग और रसायन के दो-दो, बोयोकेमिस्ट्री और वनस्पति विभाग के एक-एक प्रोजेक्ट स्वीकार किए गए हैं। इन प्रोजेक्टों पर काम करने के लिए सरकार ने 36.6 लाख रुपये भी स्वीकृत किए हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश कुमार ने बताया कि इंटर, हाईस्कूल में तो किताबें मिल जाती हैं पर स्नातक, परास्नातक के विद्यार्थियों को ऐसे ही शोधों से लाभ मिलता है। नई-नई जानकारी मिलती है। शोध रिपोर्ट से समाज को भी नई जानकारी मिलती है। प्रस्तावों को राज्य उच्च शिक्षा परिषद द्वारा गठित विशेषज्ञों के पैनल ही कड़े परीक्षण के बाद संस्तुति प्रदान करते हैं।

शिक्षा नीति पर आज सेमिनार: एलयू द्वितीय परिसर स्थित विधि संकाय में लखनऊ यूनिवर्सिटी मूट कोर्ट एसोसिएशन की ओर से शनिवार को नेशनल एजुकेशन पॉलिसी इन इंडिया 2020 प्रोस्पेक्ट एंड चैलेंज विषय पर नेशनल सेमिनार होगा।

36 .6 लाख स्वीकृत किए सरकार ने प्रोजेक्ट के लिए

05 सर्वाधिक विवि के प्रोजेक्ट जंतु विभाग को दिए गए

शिक्षकों के इन प्रोजेक्ट के लिए दी गई संस्तुति

जन्तु विभाग

- प्रो. सुधीर कुमार, विभागीय पुस्तकालय में दुर्लभ, मूल्यवान और अप्रचलित पुस्तकों का पुनरुत्पादन
- डा. अमित त्रिपाठी, गोमती नदी से मछली के परजीवी कृमि
- डा. मनोज, मछलियों में पारे का जीनोटॉक्सिसिटी पर प्रभाव
- डा. शैली मलिक, प्रदूषण का एक नया आयाम: प्रवासी पक्षियों के शरीर पर रात्रि प्रकाश का प्रभाव

सांख्यिकी विभाग

- डा. शाम्भवी मिश्रा, उच्च शिक्षा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति और अवसरों के प्रभाव का आकलन करने के लिए सांख्यिकीय दृष्टिकोण
- डा. अशोक कुमार, सांख्यिकीय मॉडल के माध्यम से उत्तर प्रदेश की कृषि में स्थिरता के लिए कृषि-जलवायु क्षेत्र स्तर विश्लेषण

केमिस्ट्री, बायोकेमिस्ट्री

- डा. अनुभव कुमार, विद्युत रासायनिक जल विभाजन के रूप में संक्रमण धातु
- प्रो. सुधीर मेहरोत्रा, न्यूरोट्रांसमीटर और हीमोग्लोबिन के स्तर के साथ बच्चों में ऑक्सीडेटिव तनाव और एंटी-ऑक्सीडेंट पर पत्ती का प्रभाव

वनस्पति विभाग

- डा. अलका कुमारी, पीलीभीत टाइगर रिजर्व के औषधीय रूप से उपयोगी टेरिडोफाइट्स का सर्वेक्षण और अन्वेषण

एलयू में आज व्याख्यान और पुस्तक विमोचन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय का व्यापार प्रशासन विभाग 11 जुलाई को प्रो. ए के श्रीवास्तव के व्याख्यान का आयोजन विभाग में कर रहा है। प्रो. एके. श्रीवास्तव उदयपुर के पण्डित रविशंकर शुक्ला विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग के अध्यक्ष हैं। व्याख्यान का विषय 'मार्केटिंग ऑफ सेल्फ' है। वहीं अर्थशास्त्र विभाग की ओर से डीपीए सभागार में परिचर्चा और पुस्तक विमोचन होगा।

JAGRAN CITY PAGE IV

i-NEXT PAGE 4

एलयू को मिले 10 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रिसर्च प्रोजेक्ट

शासन ने शोध प्रस्ताव के लिए राशि स्वीकृत की

LUCKNOW (8 JULY): लखनऊ यूनीवर्सिटी के शिक्षक जल्द कई नए शोध प्रोजेक्ट पर काम शुरू करेंगे. इसके लिए शासन की ओर से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस योजना के तहत 10 शोध प्रस्ताव की स्वीकृति मिल गई है. वित्तीय वर्ष 2022-23 में इन शोध प्रस्ताव के लिए 36,59,000 रुपये की राशि का प्रविधान किया गया है. शासन ने यूनिवर्सिटी के कुलसचिव एवं वित्त अधिकारी को निर्देश दिए हैं.

जल्द शुरू होंगे प्रोजेक्ट

प्रदेश सरकार हर साल सभी स्टेट यूनिवर्सिटीज को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस योजना के तहत शोध के लिए बजट स्वीकृत करती है. इस बार भी लखनऊ यूनिवर्सिटी संग सभी स्टेट यूनिवर्सिटीज से शोध प्रस्ताव मांगे थे. डीन रिसर्च प्रोफेसर राजीव पांडेय ने बताया कि एलयू को 10 शोध प्रस्ताव की मंजूरी मिली है. इनमें जंतु विज्ञान विभाग में चार, सांख्यिकी विभाग में दो, रसायन विज्ञान विभाग में दो, बायो केमेस्ट्री और वनस्पति विज्ञान विभाग में एक-एक शोध प्रस्ताव शामिल है. नए शोध प्रोजेक्ट में तहत रात के समय लाइट का प्रभाव चिड़िया पर पड़ने से उसके व्यवहार में बदलाव, मछलियों में पाए जाने वाले परजीवी सहित कई चीजों पर शोध किया जाएगा.

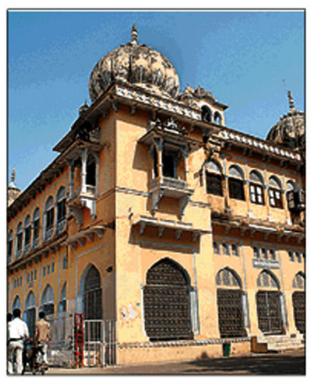

इन्हें मिला शोध प्रोजेक्ट

डिपार्टमेंट	शिक्षक
बायोकेमिस्ट्री विभाग	प्रो. सुधीर मेहरोत्रा
रसायन विज्ञान विभाग	डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह
सांख्यिकी विभाग	डॉ. शांभवी मिश्रा, डॉ. अशोक कुमार
वनस्पति विज्ञान विभाग	डॉ. अलका कुमारी
जंतु विज्ञान विभाग	डॉ. शैली मलिक, डा. अमित त्रिपाठी, डा. मनोज कुमार, प्रो. सुधीर कुमार, डा. अभिनव कुमार

फंड से मदद के लिए मांगे अभिलेख

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (8 JULY): लखनऊ विश्वविद्यालय ने वीसी केयर फंड से आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है. चयन समिति के लिए बनी कमेटी की बैठक में कई बिंदुओं पर समीक्षा की गई.

अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर पूनम टंडन ने बताया कि कुछ स्टूडेंट्स से आधार कार्ड, पैन कार्ड व लिखित रूप से मांगा गया है कि उन्हें अभी किसी जगह से अन्य वित्तीय मदद न मिल रही हो. इसके लिए सोमवार तक समय दिया गया है. जल्द ही मानक और प्राथमिकता के आधार पर स्टूडेंट्स का चयन कर सूची जारी की जाएगी.

5 लाख रुपए हुए हैं जमा

गौरतलब है कि वीसी केयर फंड में करीब पांच लाख रुपए की राशि जमा हो पाई है. इस मद से सहायता के लिए 545 विद्यार्थियों ने आवेदन कर रखा है. इनमें तमाम ऐसे स्टूडेंट्स भी हैं, जिनके पिता का निधन हो चुका है और आगे पढ़ाई के लिए आर्थिक दिक्कत है.

आज खुला रहेगा आफिस

लखनऊ विश्वविद्यालय में होने वाले नैक मूल्यांकन की तैयारियों की वजह से शनिवार को सभी विभाग एवं प्रशासनिक कार्यालय पूर्व की भांति खुले रहेंगे. इस संबंध में कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने पत्र जारी कर दिया है.

मनोविज्ञान विभाग में शुरू होगी हेल्थ लैब

लखनऊ यूनिवर्सिटी के कला संकाय बोर्ड की बैठक में कई प्रस्ताव को मिली मंजूरी

LUCKNOW (8 JULY): लखनऊ यूनिवर्सिटी के मनोविज्ञान विभाग में जल्द हेल्थ लैब स्थापित होगी. इसमें बीपी, शुगर सहित कई जांचों की सुविधा मिलेगी. विभागीय समिति के बाद कला संकाय बोर्ड की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है. सांख्यिकी विभाग में एमए, एमएससी (एक्चुरियल स्टैटिस्टिक्स) कोर्स के संचालन सहित कई अन्य प्रस्ताव पर सहमति बनी है. अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. प्रेम सुमन शर्मा की अध्यक्षता में विभागाध्यक्षों की बैठक आयोजित की गई थी. मनोविज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ. अर्चना शुक्ला ने बताया कि हैप्पी थिंकिंग लैब के साथ अब यहां हेल्थ लैब भी होगी.

विश्लेषण की मिलेगी जानकारी

सांख्यिकी विभाग एमए, एमएससी एक्युरियल स्टैटिस्टिक्स कोर्स की शुरुआत करेगा. विभाग के हेड प्रो. राजीव पांडेय ने बताया कि बीमा कंपनियों में नौकरी में इस कोर्स का अहम रोल है. 2008 में पूना विश्वविद्यालय में यह कोर्स शुरू किया गया था. अब नई शिक्षा नीति के तहत लखनऊ यूनिवर्सिटी भी इसे शुरू करेगा. विद्यार्थी सांख्यिकी के ऐसे टूल्स, फार्मूले, साफ्टवेयर, आंकड़ों का विश्लेषण सहित कई महत्वपूर्ण चीजें जान सकेंगे, जो बीमा सेक्टर के लिए फायदेमंद हैं. चार सेमेस्टर के इस कोर्स में 30 सीटें होंगी.

कम होगी फीस

इंस्टीट्यूट ऑफ वूमेन स्टडीज में संचालित पीजी डिप्लोमा इन गर्भ संस्कार की फीस अभी प्रति सेमेस्टर 23 हजार रुपए है. इसे कम करके 10 हजार प्रति सेमेस्टर करने पर सहमति बनी है. वित्त समिति और एकेडमिक काउंसिल से अनुमति के बाद इसे लागू किया जाएगा. पीजी डिप्लोमा इन गर्भ संस्कार और एमए वूमेन स्टडीज में नए सत्र से 10-10 सीटें कम करने का प्रस्ताव भी मंजूर किया गया.

यह भी किए जाएंगे बदलाव

एमए समाजशास्त्र तीसरे सेमेस्टर में सामाजिक विज्ञान के लिए सांख्यिकी का उपयोग पेपर शुरू किया गया था. अब उसकी जगह जेंडर का समाजशास्त्र पढ़ाया जाएगा. गृह विज्ञान विभाग ने वोकेशनल कोर्स के रूप में फैशन डिजाइनिंग को शुरू करने पर भी सहमति दे दी है.

JAGRAN CITY PAGE IV

लवि को मिले 10 सेंटर आफ एक्सीलेंस के शोध प्रोजेक्ट

लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षक जल्द ही कई नए शोध प्रोजेक्ट पर काम शुरू करेंगे। इसके लिए शासन की ओर से सेंटर आफ एक्सीलेंस योजना के तहत 10 शोध प्रस्ताव की स्वीकृति मिल गई है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में इन शोध प्रस्ताव के लिए 36,59,000 रुपये की राशि का प्रविधान किया गया है। शासन ने विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं वित्त अधिकारी को निर्देश दिए हैं।

प्रदेश सरकार हर साल सभी राज्य विश्वविद्यालयों को सेंटर आफ एक्सीलेंस योजना के तहत शोध के लिए बजट स्वीकृत करती है। इस बार भी लवि सहित सभी राज्य विश्वविद्यालयों से शोध प्रस्ताव मांगे थे। डीन रिसर्च प्रोफेसर राजीव पांडेय ने बताया कि लवि को 10 शोध प्रस्ताव की मंजूरी मिली है। इनमें जंतु विज्ञान विभाग में चार, सांख्यिकी विभाग में दो, रसायन विज्ञान विभाग में दो, बायो केमेस्ट्री और वनस्पति विज्ञान विभाग में एक-एक शोध प्रस्ताव शामिल है। नए शोध प्रोजेक्ट में तहत रात के समय लाइट का प्रभाव चिड़िया पर पड़ने से उसके व्यवहार में बदलाव, मछलियों में पाए जाने वाले परजीवी सहित कई चीजों पर शोध होगा। जल्द ही शिक्षक अपने शोध प्रोजेक्ट पर काम शुरू करेंगे।

इन्हें मिला शोध प्रोजेक्ट: बायोकेमिस्ट्री विभाग-प्रो. सुधीर मेहरोत्रा, जंतु विज्ञान विभाग-डा. शैली मलिक, डा. अमित त्रिपाठी, डा. मनोज कुमार, प्रो. सुधीर कुमार, डा. अभिनव कुमार, रसायन विज्ञान विभाग-डा. नरेंद्र सिंह, सांख्यिकी विभाग-डा. शांभवी मिश्रा, डा. अशोक कुमार, वनस्पति विज्ञान विभाग-डा. अलका कुमारी।

मनोविज्ञान विभाग में बनेगी हेल्थ लैब, सांख्यिकी में नया कोर्स मंजूर

लखनऊ विश्वविद्यालय के कला संकाय बोर्ड की बैठक में कई प्रस्ताव को मिली मंजूरी

जास, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में जल्द ही एक हेल्थ लैब स्थापित की जाएगी। इसमें ब्लड प्रेशर, मधुमेह सहित कई जांचों की सुविधा मिलेगी। विभागीय समिति के बाद गुरुवार को हुई कला संकाय बोर्ड की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। वहीं, सांख्यिकी विभाग में एमए, एमएससी (एक्चुरियल स्टैटिस्टिक्स) पाठ्यक्रम के संचालन सहित कई अन्य प्रस्ताव पर सहमति बनी है।

अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. प्रेम सुमन शर्मा की अध्यक्षता में विभागाध्यक्षों की बैठक आयोजित की गई थी। मनोविज्ञान विभाग की अध्यक्ष डा. अर्चना शुक्ला ने बताया कि विद्यार्थियों के लिए हैप्पी थिंकिंग लैब पहले से है। उसी के पास एक हेल्थ लैब भी खोली जाएगी।

सांख्यिकी के फार्मूले, आंकड़ों का विश्लेषण सीखेंगे विद्यार्थी : सांख्यिकी विभाग एमए, एमएससी एक्चुरियल स्टैटिस्टिक्स कोर्स की शुरुआत करेगा। विभाग के हेड प्रो. राजीव पांडेय ने बताया कि बीमा कंपनियों में नौकरी में इस कोर्स का अहम रोल है। 2008 में पूना विश्वविद्यालय में यह कोर्स शुरू किया गया था। अब नई शिक्षा नीति के तहत लखनऊ विश्वविद्यालय भी इसे शुरू करेगा। विद्यार्थी सांख्यिकी के ऐसे टूल्स, फार्मूले, साफ्टवेयर, आंकड़ों का विश्लेषण सहित कई महत्वपूर्ण चीजें जान सकेंगे, जो बीमा सेक्टर के लिए फायदेमंद है। चार सेमेस्टर के इस कोर्स में 30 सीटें होंगी। यह कोर्स 2023-24 से शुरू होगा।

पीजी डिप्लोमा इन गर्भ संस्कार की फीस होगी कम : इंस्टीट्यूट आफ वूमेन स्टडीज में संचालित पीजी डिप्लोमा इन गर्भ संस्कार और एमए वूमेन स्टडीज में नए सत्र से 10-10 सीटें कम करने का प्रस्ताव भी मंजूर कर लिया गया। अभी तक दोनों में 30-30 सीटें निर्धारित है।

यह भी बदलाव : एमए समाजशास्त्र तीसरे सेमेस्टर में सामाजिक विज्ञान के लिए सांख्यिकी का उपयोग पेपर शुरू किया गया था। अब उसकी जगह जेंडर का समाजशास्त्र पढ़ाया जाएगा। गृह विज्ञान विभाग ने वोकेशनल कोर्स के रूप में फैशन डिजाइनिंग को शुरू करने पर भी सहमति दे दी है।

वीसी केयर फंड से मदद के लिए मांगे अभिलेख

लखनऊ विश्वविद्यालय ने वीसी केयर फंड से आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। चयन समिति के लिए बनी कमेटी की बैठक में कई बिंदुओं पर समीक्षा की गई। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर पूनम टंडन ने बताया कि कुछ छात्र-छात्राओं से आधार कार्ड, पैन कार्ड व लिखित रूप से मांगा गया है कि उन्हें अभी किसी जगह से अन्य वित्तीय मदद न मिल रही हो। इसके लिए सोमवार तक समय दिया गया है। जल्द ही मानक और प्राथमिकता के आधार पर छात्र-छात्राओं का चयन कर सूची जारी की जाएगी। गौरतलब है कि वीसी केयर फंड में करीब पांच लाख रुपए की राशि जमा हो पाई है। इस मद से सहायता के लिए 545 विद्यार्थियों ने आवेदन कर रखा है। इनमें तमाम ऐसे छात्र-छात्राएं भी हैं, जिनके पिता का निधन हो चुका है और आगे पढ़ाई के लिए आर्थिक दिक्कत है।

आज खुले रहेंगे सभी विभाग और प्रशासनिक कार्यालय

लवि में होने वाले नैक मूल्यांकन की तैयारियों के लिए सभी विभाग एवं कार्यालय पूर्व की भांति खुले रहेंगे। इस संबंध में कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने पत्र जारी कर दिया है।

डिप्लोमा इन गर्भ संस्कार की फीस अभी तक प्रति सेमेस्टर 23 हजार रुपये है। इसे कम करके 10 हजार रुपये प्रति सेमेस्टर किए जाने पर सहमति बनी है। वित्त समिति और एकेडमिक काउंसिल से अनुमति के बाद इसे लागू किया जाएगा। इसके

PIONEER PAGE 3

एलयू को सेंटर फॉर एक्सीलेंस के तहत मिला अनुदान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय को शासन स्तर पर सेंटर फार एक्सीलेंस के तहत शोध को लेकर अनुदान मिला है। यह अनुदान विवि के दस शिक्षकों को मिला है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के इन शोध प्रस्ताव के लिए 3659,000 हजार रुपए की राशि का प्राविधान किया गया है।

हर साल राज्य सरकार की तरफ से सभी राज्य विश्वविद्यालयों को सेंटर आफ एक्सीलेंस योजना के तहत शोध के लिए बजट मिलता है। इस बार भी लखनऊ विश्वविद्यालय सहित सभी राज्य विश्वविद्यालयों से शोध प्रस्ताव मांगे गए थे।डीन रिसर्च प्रोफेसर राजीव पांडेय ने बताया कि लखनऊ यूनिवर्सिटी के दस प्रोजेक्ट को मंजूरी मिली है। जिन विभागों के तहत इन्हे मंजूरी मिली है, उनमें जंतु विज्ञान विभाग में चार, सांख्यिकी विभाग में दो, केमिस्ट्री विभाग में दो, बायो केमेस्ट्री और वनस्पति विज्ञान विभाग में एक-एक शोध प्रस्ताव शामिल है।

इन्हें मिला प्रोजेक्ट

नाम	विभाग	बजट
प्रो. सुधीर मेहरोत्रा	बायोकेमिस्ट्री विभाग	390000 रुपए
डा. शैली मलिक	जंतु विज्ञान विभाग	3,70,000 रुपए
डा. अमित त्रिपाठी	जंतु विज्ञान विभाग	3,75,000 रुपए
डा. मनोज कुमार	जंतु विज्ञान विभाग	4,1,0000 रुपए
प्रो. सुधीर कुमार	जंतु विज्ञान विभाग	4,29,000 रुपए
डा. अभिनव कुमार	केमिस्ट्री विभाग	3,15,000 रुपए
डा. नरेंद्र कुमार सिंह	केमिस्ट्री विभाग	3,75,000 रुपए
डा. शांभवी मिश्रा	सांख्यिकी विभाग	3,57,000 रुपए
डा. अशोक कुमार	सांख्यिकी विभाग	3,37,000 रुपए
डा. अलका कुमारी	वनस्पति विज्ञान विभाग	3,01000 रुपए